

विद्यालय का नाम.....

विद्यार्थी का नाम.....

बच्चों नीचे दिया गया भारत का मैप भारत के सभी 28 राज्यों को प्रदर्शित करता है। इसे आप ध्यान से देखिए और राज्यों की स्थिति को समझें।



भारत के उपरोक्त नक्शे को देखकर नीचे दिये गये खाली नक्शे में सभी 28 राज्यों को दर्शाइए।



कक्षा- 6

सामाजिक विषय- 09

विद्यालय का नाम.....

विद्यार्थी का नाम.....

प्यारे बच्चों! वर्तमान में हमारे देश भारत में 28 राज्य और 8 केन्द्र शासित प्रदेश हैं, जिनके नाम राजधानियों सहित निम्न हैं-



भारत देश के 28 राज्य व उनकी राजधानियाँ

राज्य	राजधानी	राज्य	राजधानी
आन्ध्र प्रदेश	अमरावती	मिजोरम	आइजोल
अरुणाचल प्रदेश	ईटानगर	नागालैण्ड	कोहिमा
असम	दिसपुर	ओडिशा	भुवनेश्वर
बिहार	पटना	पंजाब	चण्डीगढ़
छत्तीसगढ़	रायपुर	राजस्थान	जयपुर
गोवा	पणजी	सिक्किम	गंगटोक
गुजरात	गांधीनगर	तमिलनाडु	चेन्नई
हरियाणा	चण्डीगढ़	तेलंगाना	हैदराबाद
हिमाचल प्रदेश	शिमला	त्रिपुरा	अगरतला
झारखण्ड	रांची	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
मध्य प्रदेश	भोपाल	उत्तराखण्ड	देहरादून
महाराष्ट्र	मुम्बई	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
मणिपुर	इम्फाल	केरल	तिरुवनन्तपुरम
मेघालय	शिलांग	कर्नाटक	बंगलुरु

सभी बच्चे इन राज्य और केन्द्र शासित प्रदेशों की राजधानियाँ याद करें और एक लघु पुस्तिका बनाकर उसमें इन्हें नोट करें।

कक्षा- 6

सामाजिक विषय- 08

विद्यालय का नाम.....

विद्यार्थी का नाम.....

हमारा देश विविधताओं में एकता की भावना को समेटे हुए है। हमारे देश की एकता और भाईचारे की पहचान कुछ प्रतीक चिन्हों से भी होती है। ये चिन्ह राष्ट्रीय प्रतीक कहलाते हैं।



राष्ट्रीय पशु- बाघ



राष्ट्रीय फल- आम



राष्ट्रध्वज- तिरंगा



राष्ट्रीय पक्षी- मोर



राष्ट्रीय मिठाई- जलेबी



राष्ट्रीय नदी- गंगा



राष्ट्रपिता- महात्मा गांधी



राष्ट्रीय चिन्ह- अशोक स्तम्भ

राष्ट्रीय पर्व- गणतन्त्र दिवस, स्वतन्त्रता दिवस और गांधी जयन्ती
रिक्त स्थान भरो-

क-गणतन्त्र दिवस..... को मनाया जाता है।

ख-15 अगस्त को..... दिवस मनाया जाता है।

ग- 2 अक्टूबर को.....जी की जयन्ती मनाते हैं।

राष्ट्रीय वाक्य- सत्यमेव जयते

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य विधाता।

पंजाब-सिन्ध-गुजरात-मराठा-
द्राविड़-उत्कल बंग

विन्ध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल जलधि तरंग

तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,

गाहे तव जय गाथा।

जन-गण-मंगल दायक जय हे
भारत-भाग्य विधाता।

जय हे, जय हे, जय हे,

जय जय जय जय हे!

-रवीन्द्र नाथ टैगोर

राष्ट्रीय गीत- वन्दे मातरम



राष्ट्रीय पुष्प- कमल



राष्ट्रीय वृक्ष- बरगद



राष्ट्रीय मुद्रा- रुपया



राष्ट्रीय खेल- हॉकी



राष्ट्रीय जलीय
जीव- गंगा
डॉल्फिन

विद्यालय का नाम.....

विद्यार्थी का नाम.....

नीचे लिखे पैराग्राफ को पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
सड़क सुरक्षा का अर्थ उन विधियों या उपायों से है जो सड़क पर चलने वाले पैदल यात्रियों, वाहन चलाने वाले लोगों तथा विभिन्न वाहनों में सवारी करने वाले लोगों को दुर्घटना से बचाता है। सड़क सुरक्षा के लिए विभिन्न यातायात नियम कानून एवं धाराएँ बनी है। इसके अतिरिक्त यातायात प्राधिकारी जिन स्थानों को उचित समझते हैं, उन स्थानों पर यातायात चिन्ह भी लगाते हैं जिनके पालन से हम सड़क पर सुरक्षित चल सकते हैं। उनमें से कुछ यातायात चिन्ह इस प्रकार है-

					
अन्दर आना मना है	यु टर्न मना है	पार्किंग मना है	हार्न बजाना मना है	गति सीमा	दाएँ मुड़ना मना है
					
पार्किंग क्षेत्र	पेट्रोल पम्प	भोजनालय	चिकित्सालय	बस स्टॉप	वाहन मना है
					
रुकिए	पैदल यात्री मना है	जेब्रा क्रॉसिंग	रेलवे क्रॉसिंग	आगे स्कूल है	आगे बायां मोड़ है
					
आगे दायां मोड़ है	आगे संकरा पुल है	मानव रहित रेलवे क्रॉसिंग	आगे स्पीड ब्रेकर है	आगे संकरा रास्ता है	आगे यातायात संकेतक है

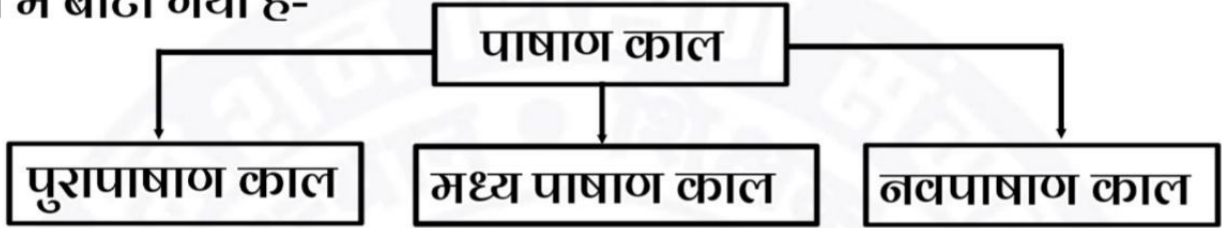
प्रश्न- (क) आगे स्कूल है, नो पार्किंग और रुकिए के यातायात संकेतक बनाइए।

उत्तर-

विद्यालय का नाम.....

विद्यार्थी का नाम.....

नीचे लिखे पैराग्राफ को पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
पाषाण अर्थात् पत्थर, काल अर्थात् समय। मनुष्य ने अपनी रक्षा और भूख मिटाने के लिए सर्वप्रथम पत्थर के औजारों का ही सबसे अधिक उपयोग किया, इसलिए इस युग को पाषाण काल कहते हैं। पाषाण युग को तीन भागों में बाँटा गया है-



पुरापाषाण काल मानव की आखेटक अवस्था थी। और माना जाता है कि इसी काल में औजार बनाते समय एक पत्थर से दूसरा पत्थर टकराने पर निकलने वाली चिंगारी से ही उन्हें आग का ज्ञान हुआ। मध्य पाषाण काल में मानव ने कुत्ते को पालतू पशु बनाया। नवपाषाण काल में मनुष्य भोजन संग्राहक से भोजन उत्पादक बन गया और इसी काल में पहिए का आविष्कार हुआ जिसका प्रयोग चॉक के रूप में मिट्टी से बर्तन बनाने और सामान ढोने के लिए गाड़ी के पहिए के रूप में किया गया।

प्रश्न- (क) आग की खोज तथा पहिए के आविष्कार ने मनुष्य के जीवन में क्या-क्या परिवर्तन किये? शब्दों में लिखिए।

उत्तर-

प्रश्न- (ख) सही मिलान कीजिए-

	स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
उत्तर-	आग की खोज	मध्य पाषाण काल
	पहिए का आविष्कार	नवपाषाण काल
	प्रथम पालतू पशु	पुरापाषाण काल

कक्षा- 6

सामाजिक विषय- 05

विद्यालय का नाम.....

विद्यार्थी का नाम.....

नीचे लिखे पैराग्राफ को पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
 प्राचीन काल के लोगों के जीवन के विषय में हमें जानकारी उनके द्वारा छोड़ी गयी वस्तुओं जैसे मिट्टी के बर्तन, खिलौनों, हथियारों, सिक्के, औजार आदि के द्वारा मिलती है, जिन्हें पुरातत्ववेत्ता जमीन के अन्दर से खोदकर प्राप्त करते हैं। प्राचीन काल में मानव द्वारा प्रयोग में लायी गयी इन वस्तुओं, निर्मित मन्दिरों आदि के अवशेषों का अध्ययन पुरातत्व कहलाता है। प्राप्त सिक्कों से तत्कालीन शासक का नाम तथा उसके समय का पता चलता है। साथ ही सिक्कों की धातु से आर्थिक स्थिति की जानकारी प्राप्त होती है।
 प्रश्न- (क) भविष्य में वर्तमान समय की जानकारी प्राप्त करने के लिए क्या-क्या स्रोत उपलब्ध हो सकते हैं? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर-

प्रश्न- (ख) पुरातत्व और पुरातत्ववेत्ता में क्या अन्तर है?

उत्तर-

प्रश्न- (ग) नीचे प्रदर्शित सिक्कों के चित्र को देखकर उनकी विशेषताएँ लिखिए।



उत्तर-

विद्यालय का नाम.....

विद्यार्थी का नाम.....

नीचे लिखे पैराग्राफ को पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
अतीत में एक ऐसा युग भी था, जब लोग लिखना नहीं जानते थे और उन्हें कागज का ज्ञान नहीं था। वह अपने लेखों को बड़ी-बड़ी शिलाओं, ताड़पत्रों, पत्थरों की दीवारों, स्तम्भों, भोज पत्रों आदि पर लिखते थे। वह समय जिससे सम्बन्धित कोई लिखित साक्ष्य नहीं है, प्राक् ऐतिहासिक काल कहलाता है। वह समय जिससे सम्बन्धित लिखित साक्ष्य प्राप्त तो है किन्तु उसे पढ़ा नहीं जा सकता है, उसे आद्य ऐतिहासिक काल कहते हैं। इसी प्रकार जिस समय के विषय में लिखित सामग्री से जानकारी मिलती है व उसे पढ़ा भी जा सकता है उस काल को ऐतिहासिक काल कहते हैं।

प्रश्न- (क) प्रारम्भ में मनुष्य अपने लेख किस पर लिखता था?

उत्तर-

प्रश्न- (ख) वह काल जिसका कोई लिखित साक्ष्य उपलब्ध नहीं है, क्या कहलाता है?

उत्तर-

प्रश्न- (ग) आद्य ऐतिहासिक काल किसे कहते हैं?

उत्तर-

प्रश्न- (घ) वर्तमान समय में लिखने के लिए क्या-क्या स्रोत/सामग्री हमारे पास उपलब्ध हैं? अपने शब्दों में लिखो।

उत्तर-

विद्यालय का नाम.....

विद्यार्थी का नाम.....

नीचे लिखे पैराग्राफ को पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
जब सूर्य और पृथ्वी के बीच चन्द्रमा आ जाने के कारण चन्द्रमा की छाया पृथ्वी पर पड़ती है, इस स्थिति में सूर्य ग्रहण होता है। सूर्य ग्रहण अमावस्या को होता है। इसी प्रकार जब सूर्य और चन्द्रमा के बीच पृथ्वी आ जाती है तो पृथ्वी की छाया चन्द्रमा पर पड़ती है जिससे चन्द्रग्रहण होता है। चन्द्रग्रहण पूर्णिमा को होता है। भारत के महान खगोलशास्त्री आर्यभट्ट ने ग्रहण की वैज्ञानिक व्याख्या की।

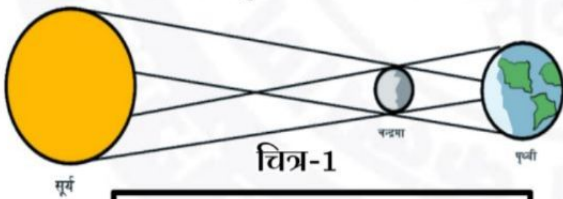
प्रश्न- (क) सूर्य ग्रहण किसे कहते हैं?

उत्तर-

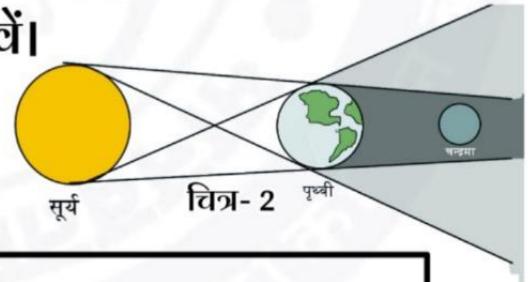
प्रश्न- (ख) चन्द्रग्रहण किसे कहते हैं?

उत्तर-

प्रश्न- (ग) नीचे प्रदर्शित चित्र किस प्रकार के ग्रहण की व्याख्या करते हैं? सही उत्तर नीचे दिये गये में बाक्सों में लिखें।



चित्र-1



चित्र-2

उत्तर-

प्रश्न- (घ) सही मिलान कीजिए-

स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
सूर्यग्रहण	पूर्णिमा
चन्द्रग्रहण	अमावस्या
ग्रहण की व्याख्या	आर्यभट्ट

विद्यालय का नाम.....

विद्यार्थी का नाम.....

नीचे लिखे पैराग्राफ को पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
सूर्य से दूरी के क्रम में पृथ्वी तीसरा ग्रह है। हमारी पृथ्वी ध्रुवों पर थोड़ी चपटी और मध्य में थोड़ी उभरी हुई है इसलिए इसके आकार को भूआभ (Geoid) कहा जाता है। जीवन के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ सम्भवतः केवल पृथ्वी पर ही पाये जाने के कारण इसे हरितग्रह भी कहा जाता है।



पृथ्वी पर जल की अधिकता के कारण यह अन्तरिक्ष से देखने पर नीले रंग की दिखायी देती है इसलिए इसे नीला ग्रह भी कहते हैं। चन्द्रमा पृथ्वी की परिक्रमा करता है, जो हमारी पृथ्वी का एकमात्र प्राकृतिक उपग्रह है। चन्द्रमा, पृथ्वी से लगभग 3,84,000 किमी० की दूरी पर है।

प्रश्न- (क) सूर्य से दूरी के क्रम में पृथ्वी का कौन सा स्थान है?

उत्तर-

प्रश्न- (ख) हमारी पृथ्वी किस आकार की है?

उत्तर-

प्रश्न- (ग) पृथ्वी को हरित ग्रह क्यों कहा जाता है?

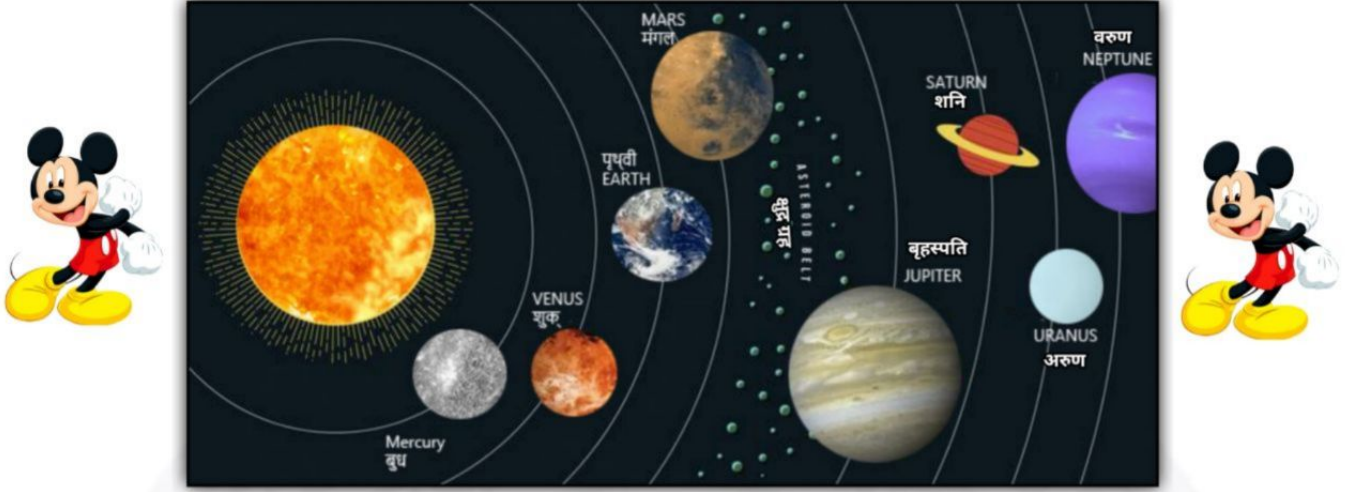
उत्तर-

प्रश्न- (घ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- 1- चन्द्रमा.....की परिक्रमा करता है।
- 2- नीला ग्रह.....को कहते हैं।
- 3- पृथ्वी का प्राकृतिक उपग्रह.....है।
- 4- पृथ्वी ध्रुवों पर..... और मध्य में..... हुई है।
- 5- पृथ्वी अन्तरिक्ष से देखने पर..... रंग की दिखायी देती है।
- 6- चन्द्रमा, पृथ्वी से लगभग.....किमी० की दूरी पर है।

विद्यालय का नाम.....

विद्यार्थी का नाम.....



ऊपर दिये गये हमारे सौरमण्डल के चित्र को देखकर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

प्रश्न- (क) हमारे सौर मण्डल में कितने ग्रह हैं?

उत्तर-

प्रश्न- (ख) हमारे सौरमण्डल के सभी ग्रह किस तारे के चारों ओर चक्कर लगाते हैं?

उत्तर-

प्रश्न- (ग) सूर्य के सबसे निकट ग्रह का क्या नाम है?

उत्तर-

प्रश्न- (घ) सही मिलान कीजिए-

बुध	Uranus
पृथ्वी	Saturn
मंगल	Mercury
शनि	Earth
बृहस्पति	Jupiter
अरुण	Mars